DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY
Accredited with B+ Grade by NAAC
Kargi Road, Kota, Dist.-Bilaspur (C.G.)
Ph. : 07753-253 801 Fax : 07753-253728
e-mail : info@cvru.ac.in, visit us at : www.cvru.ac.in

क्र.92 / कु.स. / सी.वी.आर.यू. / 2023

बिलासपुर, दिनांक : 05.09.2023

प्रति,

अध्यक्ष महोदय,
छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग,
छत्तीसगढ़ शासन,
रायपुर (छ.ग.)

विषय :– डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय का माह अगस्त – 2023 का मासिक प्रगति प्रतिवेदन।

आदरणीय महोदय,

उपरोक्त विषयांतर्गत, डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय द्वारा माह अगस्त – 2023 का मासिक प्रतिवेदन प्रेषित किया जा रहा है।

सादर,

कुलसचिव

डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय

करगीरोड कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

मासिक प्रगति पत्रक

माह :– अगस्त – 2023

01	विश्वविद्यालय का नाम एवं स्थापना वर्ष।	डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय, स्थापना वर्ष नवम्बर 2006,
02	विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी।	<u>फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी</u> बी. ई. (कम्प्यूटर साईंस) बी. ई. (इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्यूनिकेशन) बी. ई. (इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स) बी. ई. (इलेक्ट्रिकल) बी. ई. (मेकनिकल) बी. ई. (सिविल) बी. वोक (वोकेशनल) एम. टेक. (कम्प्यूटर साईंस) एम. टेक. (डिजीटल कम्यूनिकेशन) एम. टेक. (प्रोडक्शन इंजी.) एम. टेक. (पावर सिस्टम) एम. टेक. (साफटवेयर इंजी.) एम. टेक. (वी.एल.एस.आई.) डिप्लोमा (सिविल इंजी.) डिप्लोमा (कम्प्यूटर साईंस) डिप्लोमा (ईई) डिप्लोमा (मेकनिकल इंजी.) <u>फैकल्टी ऑफ एजुकेशन एण्ड फिजिकल एजुकेशन</u> बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी. एड.) मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम. एड.) बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एण्ड स्पोर्टस (बी.पी.ई.एस.) मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एण्ड स्पोर्टस (एम.पी.ई.एस.) <u>फैकल्टी ऑफ वाणिज्य एवं प्रबंधन</u> बैचलर ऑफ कामर्स (बी. काम.)

		मास्टर ऑफ कामर्स (एम. काम.) मास्टर ऑफ बिजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन(एम.बी.ए.) बैचलर ऑफ बिजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन(बी.बी.ए.) पोस्ट ग्रेजुऐट डिप्लोमा इन बिजिनेस मैनेजमेंट (पीजीडीबीएम) फैकल्टी ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी पीजीडीसीए (पोस्ट ग्रेज्युएट डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन) बी.सी.ए. (बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन) डी.सी.ए. (डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन) एम.एस.सी. (कम्प्यूटर साईंस) एम.एस.सी. (आई. टी.) फैकल्टी ऑफ आर्ट्स बी. ए. (हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, संस्कृत साहित्य, भूगोल, शिक्षा, राजनीति शास्त, अर्थशास्त्र, इतिहास, समाज शास्त्र) एम. ए. (हिन्दी साहित्य) एम. ए. (अंग्रेजी साहित्य) एम. ए. (संस्कृत साहित्य) एम. ए. (भूगोल) एम. ए. (शिक्षा) एम. ए. (राजनीति शास्त्र) एम. ए. (अर्थशास्त्र) एम. ए. (इतिहास) एम. ए. (समाज शास्त्र) बी. लिब. एम. लिब. एम. एस. डब्ल्यू. ललित कला फैकल्टी ऑफ जर्नालिज्म एण्ड मास कामुनिकेशन बी. जे. एम. सी. एम. जे. एम. सी. फैकल्टी ऑफ साईंस बी. एस. सी. (जीव.) बी. एस. सी. (गणित) बी. एस. सी. (कम्प्यूटर साईंस) एम. एस. सी. (गणित) एम. एस. सी. (भौतिकी) एम. एस. सी. (प्राणी शास्त्र)

		एम. एस. सी. (वनस्पति शास्त्र) एम. एस. सी. (रसायन) एम. एस. सी. (सूक्ष्म जीव विज्ञान) एम. एस. सी. (जैव प्रौद्योगिकी) एम. एस. सी. (ग्रामीण प्रौद्योगिकी) <u>फैकल्टी ऑफ लॉ</u> बी.ए.एल.एल.बी बी.काम. एल.एल.बी. एल.एल.बी. एल.एल.एम. <u>फैकल्टी ऑफ फार्मेसी</u> बी. फार्मा डी. फार्मा एम. फार्मा <u>शोध पाठ्यक्रम</u>
03	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए संबंधित विनियामक इकाईयों के द्वारा सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है? यदि हां, तो तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति।	हॉ, विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिये संबंधित विनियामक इकाईयों के द्वारा सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है। तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति पूर्व में प्रेषित की जा चुकी है।
04	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं (भवन, प्रयोगशाला, ग्रंथालय, खेल मैदान, फर्नीचर, उपकरण एवं अन्य सुविधायें।)	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें पर्याप्त है।
05	क्या विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें संचालित पाठ्यक्रमों के अनुरूप हैं?	उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं, पाठ्यक्रमों के अनुरूप है। नए उपकरणों का क्रय किया जा चुका है। नया फर्नीचर एवं लाईब्रेरी के लिये पुस्तकों इत्यादि का क्रय भी किया जा चुका है।
06	विश्वविद्यालय में कार्यरत् अधिकारियों की जानकारी।	विश्वविद्यालय में 16 विभाग संचालित है, जिसमें शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है।
07	विश्वविद्यालय में कार्यरत् शिक्षक।	विश्वविद्यालय में 16 विभाग संचालित है, जिसमे शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है। विभाग

		में छात्र–छात्राओं की संख्या के आधार पर शिक्षकों एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति की गई है।
08	क्या विश्वविद्यालय में कार्यरत् शिक्षकों की योग्यता एवं अनुभव निर्धारित मापदंडों के अनुरूप है?	शिक्षकों की नियुक्ति नियमानुसार की गई है एवं मापदंडो के अनुरूप है।
09	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षकों की संख्या मापदंडों के अनुरूप है ?	शिक्षकों की संख्या मापदंडों के अनुरूप है, एवं छात्रों की संख्या के अनुसार है।
10	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम के लिए परिनियम/अध्यादेश का अनुमोदन प्राप्त किया गया है? यदि हां, तो उसका विवरण।	परिनियम एवं अध्यादेश विधिवत् अनुमोदित है एवं माननीय आयोग को प्रेषित किया जा चुका है। विश्वविद्यालय के परिनियम के आधार पर निम्न ईकाइयों का गठन किया गया है, जिसमें अंतर्गत शासी निकाय, प्रबंध मंडल एवं अकाद्मिक परिषद् का गठन किया गया है, जिसमें अकाद्मिक परिषद् द्वारा समय–समय पर पाठ्यक्रमों में परिवर्तन कर अपग्रेड किया जाता है, तथा उच्च कोटि के लैब, लाईब्रेरी का निर्माण पाठ्यक्रमानुसार किया गया है। अकाद्मिक परिषद् द्वारा समय–समय पर शोध कार्य हेतु सेमीनार, वर्कशाप एवं फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम भी किया जाता है।
11	क्या विनियामक आयोग/शासन के द्वारा निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया गया है? यदि हां, तो निरीक्षण में पाई गई कमियां तथा कमियों को दूर करने के लिये विश्वविद्यालय को दिये गये निर्देश, क्या विश्वविद्यालय द्वारा शासन/विनियामक आयोग के निर्देशों का पालन किया गया है?	हॉ, माननीय आयोग के द्वारा विश्वविद्यालय का निरीक्षण दिनांक 26.12.2022 को किया गया था एवं दिनाक 25.01.2023 को सदस्य अकाद्मिक डॉ. अंजना शर्मा जी द्वारा विश्वविद्यालय के अकाद्मिक विभाग का अकाद्मिक विजिट किया गया। माननीय आयोग के निर्देशों का पालन नियमानुसार किया जा रहा है।
12	विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति पर संक्षिप्त प्रतिवेदन।	विश्वविद्यालय द्वारा समस्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश नियमानुसार एवं अध्यादेशों के अनुरूप प्रवेशित छात्र–छात्राओं द्वारा दी गई शुल्क द्वारा विश्वविद्यालय में अलग–अलग विभागों के लिये भवन, प्रयोशालाओं का निर्माण एवं उच्च कोटि के आधुनिक उपकरणों का क्रय, समस्त विभाग के अधिकारीगण, शिक्षणगण एवं कर्मचारियों के लिये फर्नीचर, ग्रंथालय में विभागानुसार

		पुस्तकों का क्रय एवं ग्रंथालय में छात्र–छात्राओं के लिये अध्ययन करने के लिये उच्च कोटि की व्यवस्था मापदण्डों के अनुरूप, आवागमन साधन एवं अन्य सुविधाओं की पूर्ति की जा रही है। वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा बैंक ऑफ इंडिया द्वारा भी ऋण लिया गया है, विश्वविद्यालय की पितृ संस्था द्वारा भी विश्वविद्यालय को समय–समय पर आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति नियमानुसार नियमित रूप से है।
13	छात्रों से विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए, लिये जाने वाले शुल्क की जानकारी।	छात्रों से विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए, लिये जाने वाले शुल्क की जानकारी पूर्व में प्रेषित की जा चुकी है।
14	क्या शिक्षण शुल्क के अतिरिक्त अन्य शुल्क विद्यार्थियों से लिये जाते हैं? यदि हां तो उसका औचित्य।	अध्यादेशों के अनुसार ही शुल्क लिया जाता है, अतिरिक्त शुल्क का कोई प्रावधान नहीं है।
15	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम यूजीसी, एआईसीटीई या अन्य विनियामक इकाईयों के मार्गदर्शक बिन्दुओं के अनुरूप हैं?	विश्वविद्यालय के समस्त पाठ्यक्रम यूजीसी के अधिनियम 1956 की धारा (22) के अनुरूप है तथा एआईसीटीई, एनसीटीई, बार काउंसिल ऑफ इंडिया, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया या अन्य विनियामक इकाईयों के अनुसार है एवं अनुमोदित है, जिसका निरीक्षण संबंधित इकाईयों द्वारा तथा आयोग द्वारा किया जा चुका है।
16	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियां।	– डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविालय एवं इंडियन काउंसिल फॉर सोशल साईंस रिसर्च भारत सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में आदिवासी विकास बदलते परिवेश, मुद्दे एवं चुनौतियां विषय पर दिनांक 04 अगस्त 2023 से 05 अगस्त 2023 तक दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर देश के विभिन्न राज्यों से आये वक्ताओं ने आदिवासियों के विकास, जीवनशैली, ज्ञान परंपरा, औषधि ज्ञान और उनके प्रकृति के समन्वय सहित अधिकार अनेक विषयों पर अपने विचार रखे गये। आदिवासियों के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर रिसर्च करने पर

		जोर दिया गया। – एथलेटिक फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा नीरज चोपड़ा के ओलंपिक स्वर्ण के सम्मान में 07 अगस्त को राष्ट्रीय भाला फेंक दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है, क्योंकि नीरज चोपड़ा जी द्वारा 07 अगस्त 2021 को टोक्यो खेलों के पुरूषों के भाला फेंक फाईनल के दौरान 87.58 मीटर की दूरी तक भाला फेंका गया और स्वर्ण पदक जीता। यह पदक ओलंपिक में ट्रेक और फील्ड स्पर्धा में भारत का पहला स्वर्ण पदक था। इसी तारतम्य में विश्वविद्यालय में 07 अगस्त 2021 को भाला फेंक का आयोजन किया गया था। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय एवं हरिभूमि समाचार पत्र के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 08 अगस्त 2023 को विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परिसर में आम, अमरूद, जामुन, नीम, बरगद, पीपल समेत अन्य प्रजातियों के 100 से ज्यादा पौधे रोपे गये। – भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय केन्द्र एवं माननीय निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के निर्देशानुसार आजादी का अमृत महोत्सव, भारत की आजादी, गौरव इतिहास, संस्कृति व उपलब्धियों को लेकर 12 मार्च, 2021 को साबरमती की दाण्डी यात्रा से प्रारंभ होकर अगस्त 2023 में भव्य समापन के कार्यक्रम में "मेरी माटी मेरा देश" का आयोजन किया गया था, जिसमें वीरों का वंदन, उनके सर्वोत्तम कार्य को सम्मान देने हेतु विश्वविद्यालय के समस्त विभाग के छात्र–छात्रायें/एन. एस. एस. ईकाईयां के साथ मिलकर कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 09 अगस्त 2023 से 15 अगस्त 2023 तक किया गया था, जिसमें शिलाफलकम

		(शहीद स्मारक) का कार्यक्रम, पंच प्रण की प्रतिज्ञा, वसुधा वन्धन, वीरो का वंदन मुख्य रूप से कार्यक्रम आयोजित किये गये जिसमें प्रत्येक कार्यक्रम में राष्ट्रीय ध्वज के साथ राष्ट्र गान का आयोजन किया गया था। – माननीय एसआर रंगनाथन, इंडियन लाइब्रेरी एसोसिएशन दिल्ली, स्टेट बुकसेलर्स एंड पब्लिशर्स एसोसिएशन के सहयोग से 12 अगस्त 2023 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली द्वारा लाइब्रेरियन दिवस मनाया गया। इसी परिप्रेक्ष्य में डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में डॉ. एसआर रंगनाथन की 131 वीं जयंती अवसर पर लाइब्रेरियन डे मनाया गया, उन्हें पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान का जनक माना जाता है। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय परिसर में स्थित रेडियो रमन एफएम बैंड 90.4 मेगाहर्टस पर छत्तीसगढ़ के कलाकारों के द्वारा देवार गीत की रिकार्डिग कराई गई। छत्तीसगढ़ में देवार गीत देवार जाति के लोगों के द्वारा गाया जाने वाली गीत है। जिन्दगी को और नज़दीक से देखते हुये गीत रचते है, नृत्य करते है। देवार गीत रुजू, ठुंगरु, मांदर के साथ गाये जाते है। देवार गीत मौखिक परम्परा पर आधारित है, गीतों के विषय अनेक है, वीर चरित्रों, अत्याचार, हास्यरस, करुणा, पाण्डवगाथा आदि के बारें में गाया जाने वाला गीत है। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में 15 अगस्त के अवसर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। भारतीय ध्वज फहराकर एनसीसी कैडेट और सभी प्राध्यापकगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं छात्र–छात्राओं के साथ मिलकर सलामी दी गई। समारोह में भारतीय सेना के दो पूर्व जवानों का

		सम्मान मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत किया गया। राष्ट्रीय पर्व पर विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया, जिसमें विद्यार्थियों के द्वारा देशभक्ति कार्यक्रम की रंगारंग प्रस्तुतियां दी गई। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग के द्वारा दिनांक 21 अगस्त 2023 को "विश्व उद्यमी दिवस" मनाया गया, जिसमे शिक्षण और गैर–शिक्षण कर्मचारी एवं छात्र–छात्रायें शामिल हुये। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं के बीच उद्यमशीलता का पोषण, व्यक्तिगत विकास एवं युवा पीढ़ी के बीच उद्यमशीलता क्षमताओं, नवाचार, आत्मनिर्भरता और सामाजिक – आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिये किया गया था। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय एवं कोटा प्रशासन द्वारा विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कोटा तहसील एवं प्रशासन के अधिकारियों के द्वारा विद्यार्थियों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने व इसके बारे में तकनीकी जानकारी दी गई। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में 7वीं छत्तीसगढ़ बटालियन द्वारा एनसीसी के कैडेट्स चयन के लिये उनका मेडिकल टेस्ट, रनिंग, ऊंची कूद, लंबी कूद सहित रिटर्न परीक्षा ली गई। इस दौरान विश्वविद्यालय के 33 विद्यार्थियों का एनसीसी कैडेटस के रूप में चयन किया गया। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में संचालित वनमाली सृजन पीठ में चाय पर देश–विदेश की बातें विषय पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शहर के वरिष्ठ

		लोगों और साहित्यकारों ने अपनी विदेश यात्रा के संस्मरण सुनायें। इस दौरान उन्होंने अन्य देशों की कला, संस्कृति, साहित्य, खान–पान, रहन–सहन, परंपरायें, इतिहास, भौगोलिक एवं राजनीतिक जानकारी को साझा किया। – 29 अगस्त, मेजर ध्यानचंद की जयंती को भारत में नेशनल स्पोर्ट्स डे के रूप में मनाया जाता है. वहीं खेल के क्षेत्र में उनके नाम पर एक अवॉर्ड भी दिया जाता है, जिसे "मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार" कहते हैं। पहले इस खेल रत्न को "राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार" के नाम से जाना जाता था। मेजर ध्यानचंद की जयंती पर डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। क्रिकेट, वॉलीवाल, फुटबाल, कैरम, शतरंज, बैडमिंटन सहित अनेक प्रतियोगितायें आयोजित की गई। मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया। – सत्र 2022–23 में शैक्षणिक गतिविधियॉ एवं प्रशासनिक गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करना एवं नवीन पाठ्यक्रमों के अनुरूप संसाधनों का निर्माण करना।
17	विश्वविद्यालय के संचालन में आने वाली प्रशासनिक, अकाद्मिक एवं अन्य कठिनाईयों की जानकारी।	– GAD के Circular में अभी तक विश्वविद्यालय का नाम समस्त विश्वविद्यालयों की सूची में शामिल नहीं किया गया है।

कुलसचिव